अध्याय–5

दिशाएँ

रोहित के पिता फोन पर अपने मित्र को घर का पता बता रहे थे। वे बोल रहे थे–स्टेशन से निकलकर उत्तर दिशा की ओर सड़क पर कुछ दूर चलने पर अस्पताल मिलेगा। वहाँ से पूरब में रिक्शा स्टैंड है। वहाँ से रिक्शा पकड़कर सीधे दक्षिण दिशा की ओर लगभग आधा किलोमीटर दूर चलने के बाद बायीं ओर मुड़ने पर उत्तर की ओर सामुदायिक भवन है। उसके ठीक दक्षिण में मेरा घर है।

रोहित को पिताजी की बात समझ में नहीं आई। वह पिताजी से पूछ बैठा– पिताजी, आपकी बातें मेरी समझ में नहीं आई। क्या अंकल घर पहुँच जायेंगे?पिताजी ने मुस्कुराते हुए कहा– हाँ, अंकल जरूर आ जायेंगे। लेकिन कैसे?–रोहित ने पुनः पूछा। रोहित के पिताजी ने रोहित से कागज पेंसिल मंगवाया और कहा– आओ मैं तुम्हें बताता हूँ। उन्होंने एक रेखा चित्र (5.1) बनाया–

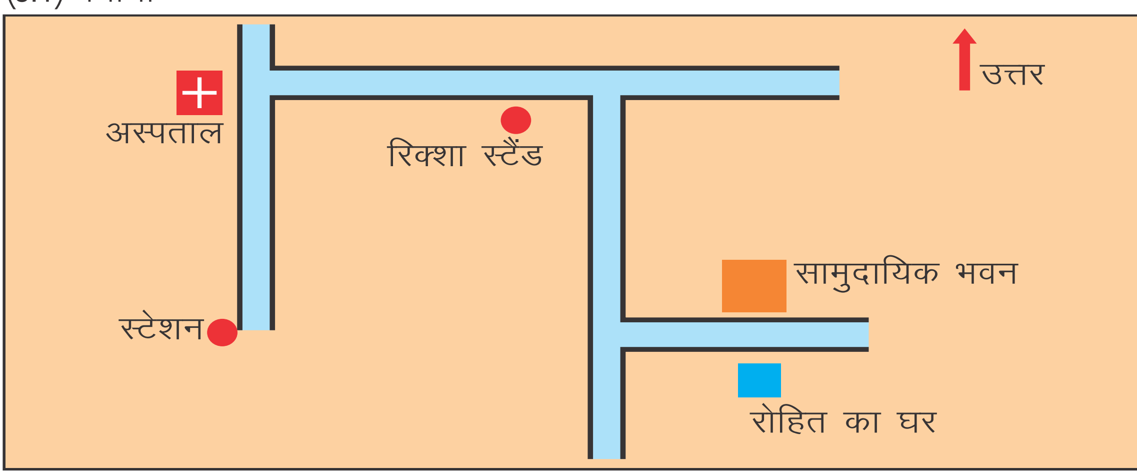

चित्र– 5.1 दिशाओं का एक रेखा चित्र

रोहित ने कई बार इस चित्र को देखा। उसे लगा कि इस चित्र के द्वारा अब वह भी घर से स्टेशन जा सकता है और स्टेशन से घर आ सकता है।

अगले दिन विद्यालय में यह बात उसने अपने दोस्तों को बताई। सबने सोचा कि क्या हम

अपने गाँव का चित्र बना सकते हैं? उन्होंने गुरूजी से पूछा। गुरुजी ने कहा– यह बहुत आसान काम है। लेकिन इसके पहले हमें कुछ बातों की जानकारी होनी चाहिए। इसके लिए हमें कुछ काम करने पड़ेंगे। सभी तैयार हो गये। उन्होंने सभी बच्चों को एक पंक्ति में खड़ा होने के लिए कहा। सभी बच्चे तुरंत पंक्ति में खड़े हो गए।

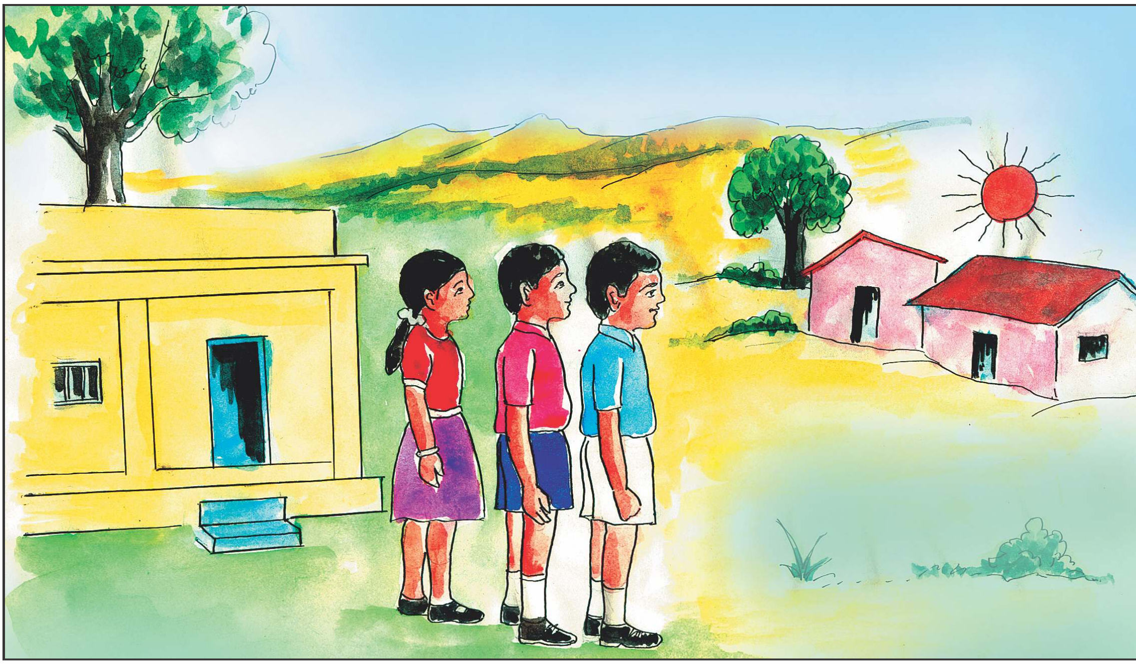

चित्र 5.2 पूरब दिशा की ओर मुँह

उन्होंने कहा– सभी अपना मुँह पूरब की ओर कीजिए। सबने वैसा ही किया।

गुरुजी ने बारी–बारी से बच्चों से पूछना शुरू किया–

- आपकी पीठ किस दिशा में है?
- आपका बायाँ हाथ किस दिशा की ओर है?
- आपका दायाँ हाथ किस दिशा की ओर है?
- सामुदायिक भवन किस दिशा में है?
- पेड़ किस दिशा में है?
- अगर आप अपनी पीठ सूर्य की ओर कर लें तो आपके किस दिशा में कौन–कौन सी चीजें होंगी?

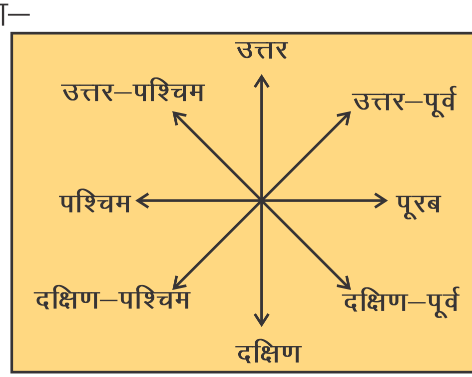

चित्र 5.3 दिशाओं की समझ

गुरुजी ने फिर उन्हें विस्तारपूर्वक दिशाओं की जानकारी देते हुए कहा– पूरब, पश्चिम, उत्तर तथा दक्षिण, ये चार प्रमुख दिशाएँ हैं। इनके अलावा उत्तर तथा पूरब के बीच उत्तर–पूर्व, पूरब तथा दक्षिण के बीच दक्षिण–पूर्व, दक्षिण तथा पश्चिम के बीच दक्षिण–पश्चिम एवं पश्चिम तथा उत्तर के बीच उत्तर–पश्चिम दिशा होती हैं। आप जब किसी स्थान पर खड़े होते हैं तो आपके सिर के ठीक ऊपर की दिशा (जेनिथ) आकाश और पैर के नीचे की दिशा (नादिर) पाताल कहलाता है। इस तरह कुल 10 दिशाएँ हैं।

करके देखें

बच्चों को गोल घेरे में खड़ा कर, ऊपर दिए गए प्रश्नों की तरह ही प्रश्न पूछें एवं जवाब प्राप्त करें।

बच्चों से शुरू में तो जवाब आने में देर हुई लेकिन धीरे–धीरे बच्चे ठीक–ठीक जवाब देने लगे। तब गुरूजी ने बच्चों को समझाया कि उगते सूर्य की ओर मुँह कर खड़ा होने पर सामने पूरब दिशा, पीछे पश्चिम दिशा, बायीं हाथ की ओर उत्तर दिशा एवं दाहिनी हाथ की ओर दक्षिण दिशा होती है। उन्होंने बच्चों को मानचित्र दिखाया और बताया– मानचित्र को सामने रखने पर ऊपर की तरफ उत्तर, नीचे की तरफ दक्षिण, दाँयीं ओर पूरब और बाँयी ओर पश्चिम दिशा होती है।

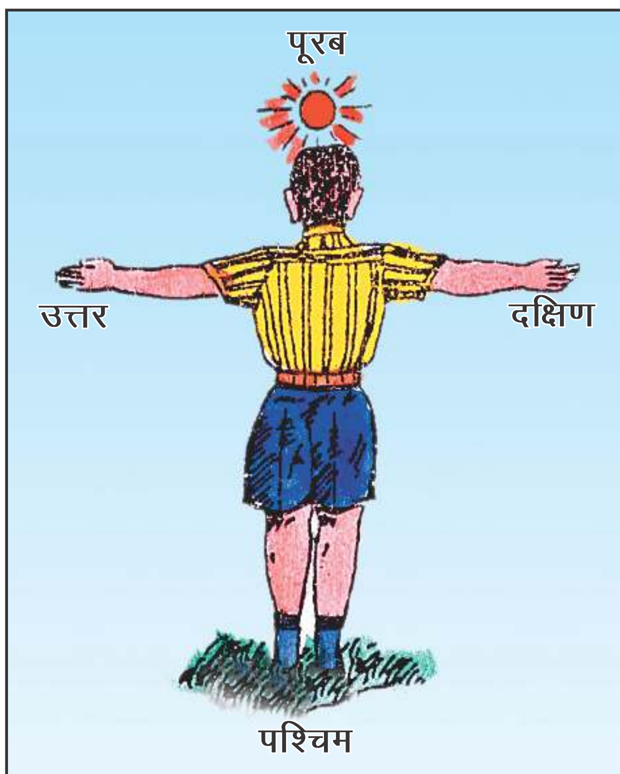

चित्र 5.4 दिशाओं को मालूम करने की विधि

चित्र 5.5 बिहार का मानचित्र एवं दिशाएँ

गुरुजी ने बच्चों से पूछा— बताइए भारत के चारों दिशाओं में क्या है?

बच्चों ने बताया— पूरब में बंगाल की खाड़ी, पश्चिम में अरब सागर, उत्तर में हिमालय पर्वत तथा दक्षिण में हिन्द महासागर है।

उन्होंने बच्चों से कहा— जब आप किसी स्थान का मानचित्र बनायेंगे तो उसमें वस्तुओं को उनकी दिशा के हिसाब से मानचित्र में उसी दिशा में अंकित करेंगे। कल मैं आपको मानचित्र बनाना सिखाऊँगा इतना कहकर वे कक्षा से बाहर चले गए।

अभ्यास

1. सही विकल्प चुनें।

(i) प्रमुख दिशाएँ कितनी होती हैं?

(क) चार (ख) छह (ग) तीन (घ) बारह

(ii) कुल दिशाओं की संख्या कितनी है?

(क) 5 (ख) 7 (ग) 4 (घ) 10

(iii) बंगाल की खाड़ी भारत के किस दिशा में है?

(क) उत्तर–पश्चिम (ख) दक्षिण–पश्चिम (ग) उत्तर–पूर्व (घ) दक्षिण–पूरब

2. खाली जगहों को भरें।

(i) हिमालय पर्वत भारत के .... दिशा में है।

(ii) उत्तर तथा पूरब के बीच .... दिशा होती है।

(iii) अरब सागर, बंगाल की खाड़ी से .... दिशा में है।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें।

(i) आपके स्कूल के उत्तर दिशा में क्या है?

(ii) ध्रुवतारा किस दिशा में नजर आता है?

(iii) दिशासूचक यंत्र से दिशा की जानकारी कैसे करते हैं?

(iv) आपका घर विद्यालय से किस दिशा में है?

(v) आपके मित्रों के घर विद्यालय से किन–किन दिशाओं में है?

(vi) आपके विचार से आपके गाँव/मुहल्ले को सुंदर बनाने के लिए किन–किन परिवर्तनों की जरूरत है?

(vii) इस परिवर्तन से वहाँ के मानचित्र में क्या–क्या परिवर्तन आएगा?

4. क्रियाकलाप :

बिहार के नक्शे से विभिन्न दिशाओं में स्थित स्थानों की पहचान कर दिशाओं के सामने उनका नाम अंकित कीजिए

उत्तर –

दक्षिण –

पूरब –

पश्चिम –